KGS IAS

KHAN GLOBAL STUDIES

Most Trusted Learning Platform

KHAN SIR

Most Trusted Learning Platform

CURRENT AFFAIRS DISCUSSION

❖ CLOUD SEEDING

- **Context:** Recently, Indian Institute of Technology (IIT) Kanpur has successfully conducted a test flight for cloud seeding.
- Artificial rain, also known as cloud seeding, is a method used to enhance precipitation by dispersing substances into the air to encourage the formation of rain or snow.
- This technique involves seeding clouds with materials such as silver iodide, potassium iodide, or dry ice, which serve as nuclei for water droplets to form around.
- As these particles attract moisture, they can lead to the growth of larger droplets and potentially stimulate precipitation within clouds that might not otherwise produce rain or snow.

❖ क्लाउड सीडिंग

- **संदर्भ:** हाल ही में, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर ने क्लाउड सीडिंग के लिए एक परीक्षण उड़ान का सफलतापूर्वक संचालन किया है।
- कृत्रिम बारिश, जिसे क्लाउड सीडिंग के रूप में भी जाना जाता है, बारिश या बर्फ के निर्माण को प्रोत्साहित करने के लिए हवा में पदार्थों को फैलाकर वर्षा को बढ़ाने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली एक विधि है।
- इस तकनीक में सिल्वर आयोडाइड, पोटेशियम आयोडाइड या सूखी बर्फ जैसी सामग्रियों के साथ बादलों को बोना शामिल है, जो चारों ओर पानी की बूंदों के निर्माण के लिए नाभिक के रूप में काम करते हैं।
- चूंकि ये कण नमी को आकर्षित करते हैं, वे बड़ी बूंदों के विकास का कारण बन सकते हैं और संभावित रूप से बादलों के भीतर वर्षा को उत्तेजित कर सकते हैं जो अन्यथा बारिश या बर्फ पैदा नहीं कर सकती हैं।

- The cloud seeding trial in Maharashtra's Solapur region led to an 18% increase in rainfall compared to the usual patterns.
- Scientists from the Indian Institute of Tropical Meteorology in Pune and other institutes conducted this study.
- Calcium chloride particles were released into these convective clouds to stimulate rainfall.

- महाराष्ट्र के सोलापुर क्षेत्र में क्लाउड सीडिंग परीक्षण के कारण सामान्य पैटर्न की तुलना में वर्षा में 18% की वृद्धि हुई।
- पुणे स्थित भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान और अन्य संस्थानों के वैज्ञानिकों ने यह अध्ययन किया।
- वर्षा को प्रोत्साहित करने के लिए इन संवहनशील बादलों में कैल्शियम क्लोराइड के कण छोड़े गए।

❖ World Environment Day and UNEP

- The World Environment Day, hosted under the United Nations Environmental Programme (UNEP), marks a day to raise awareness and action about the environmental catastrophes of the modern world
- World Environment Day has a specific host country and a theme. For 2023, the host is the West African country of Côte d'Ivoire, in partnership with the Netherlands; while the theme is preventing plastic pollution.
- In 1972, a conference held by the United Nations in Stockholm was the first UN conference which had the environment as its major agenda.
- It also recognised the right to live in a healthy environment as the basic right of any human being.

❖ विश्व पर्यावरण दिवस और यूएनईपी

- संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) के तहत आयोजित विश्व पर्यावरण दिवस, आधुनिक दुनिया की पर्यावरणीय आपदाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाने और कार्रवाई करने का दिन है।
- विश्व पर्यावरण दिवस का एक विशिष्ट मेजबान देश और एक थीम है। 2023 के लिए, नीदरलैंड के साथ साझेदारी में मेजबान पश्चिम अफ्रीकी देश कोटे डी आइवर है; जबकि विषय प्लास्टिक प्रदूषण को रोकना है।
- 1972 में स्टॉकहोम में संयुक्त राष्ट्र द्वारा आयोजित सम्मेलन पहला संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन था जिसका प्रमुख एजेंडा पर्यावरण था।
- इसने स्वस्थ वातावरण में रहने के अधिकार को किसी भी इंसान के मूल अधिकार के रूप में मान्यता दी।

- The conference became a historic global effort to protect and conserve the environment, leading to the creation of the United Nations Environment Programme.
- Moreover, this event also marked the formal declaration of a universal day for the environment – June 5.

United Nation Environment Program

- It was established after the Environment Conference in Stockholm – 1972
- It is an agency of the UN that coordinates Environmental Actions.
- It's mission is to provide leadership and encourage partnership in caring for the environment by inspiring, informing, and enabling nations and peoples to improve their quality of life without compromising that of future generations.
- Through its campaigns, particularly World Environment Day, UNEP raises awareness and advocates for effective environmental action

- यह सम्मेलन पर्यावरण की रक्षा और संरक्षण के लिए एक ऐतिहासिक वैश्विक प्रयास बन गया, जिससे संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम का निर्माण हुआ।
- इसके अलावा, इस कार्यक्रम ने पर्यावरण के लिए एक सार्वभौमिक दिवस - 5 जून की औपचारिक घोषणा को भी चिह्नित किया।

❑ संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम

- इसकी स्थापना स्टॉकहोम में पर्यावरण सम्मेलन - 1972 के बाद की गई थी
- यह संयुक्त राष्ट्र की एक एजेंसी है जो पर्यावरणीय गतिविधियों का समन्वय करती है।
- इसका मिशन भविष्य की पीढ़ियों से समझौता किए बिना अपने जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए राष्ट्रों और लोगों को प्रेरित, सूचित और सक्षम करके पर्यावरण की देखभाल में नेतृत्व प्रदान करना और साझेदारी को प्रोत्साहित करना है।
- अपने अभियानों, विशेष रूप से विश्व पर्यावरण दिवस के माध्यम से, यूएनईपी जागरूकता बढ़ाता है और प्रभावी पर्यावरणीय कार्रवाई की वकालत करता है

- Some reports by it: Emission Gap Report,
- Global Environment Outlook,
- Frontiers,
- Invest into Healthy Planet.

Major Programmes by UNEP

1. Clean up the World
2. World Environment Day (June 5th)
3. Billion Tree Campaign

Awards Given by UNEP

1. Champions of Earth Award
2. SEED awards: For entrepreneurs

- इसके द्वारा कुछ रिपोर्टें: उत्सर्जन अंतर रिपोर्ट,
- वैश्विक पर्यावरण आउटलुक,
- सीमाएँ,
- स्वस्थ ग्रह में निवेश करें।

यूएनईपी द्वारा प्रमुख कार्यक्रम

- दुनिया को साफ करो
- अरब वृक्ष अभियान
- विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून)

यूएनईपी द्वारा दिए गए पुरस्कार

- चैंपियंस ऑफ अर्थ अवार्ड
- बीज पुरस्कार: उद्यमियों के लिए

❖ PHAGE THERAPY

- Bacteriophages, or phages, are viruses that specifically target bacteria.
- Phage therapy involves using phages to treat bacterial infections.
- The antibiotics obliterate harmful bacteria, while simultaneously decimating the microbiota (thus triggering a new set of problems)
- However, each phage has evolved to more narrowly target bacterial strains or species.
- Bacteriophages kill bacteria by making them burst or lyse. This happens when the virus binds to the bacteria. A virus infects the bacteria by injecting its genes (DNA or RNA).
- The phage virus copies itself (reproduces) inside the bacteria. This can make up to 1000Trusted Source new viruses in each bacterium.
- Finally, the virus breaks open the bacteria, releasing the new bacteriophages.

❖ फेज थेरेपी

- बैक्टीरियोफेज, या फ़ेज, ऐसे वायरस हैं जो विशेष रूप से बैक्टीरिया को लक्षित करते हैं।
- फ़ेज़ थेरेपी में जीवाणु संक्रमण के इलाज के लिए फ़ेज़ का उपयोग करना शामिल है।
- एंटीबायोटिक्स हानिकारक बैक्टीरिया को नष्ट कर देते हैं, साथ ही माइक्रोबायोटा को भी नष्ट कर देते हैं (इस प्रकार समस्याओं का एक नया सेट शुरू हो जाता है)
- प्रत्येक बैक्टीरियोफेज, बैक्टीरिया के उपभेदों या प्रजातियों को अधिक संकीर्ण रूप से लक्षित करने के लिए विकसित हुआ है।
- बैक्टीरियोफेज जीवाणुओं को फोड़कर या लीज करके उन्हें मार देते हैं। ऐसा तब होता है जब वायरस बैक्टीरिया से चिपक जाता है। एक वायरस अपने जीन (डीएनए या आरएनए) को इंजेक्ट करके बैक्टीरिया को संक्रमित करता है।

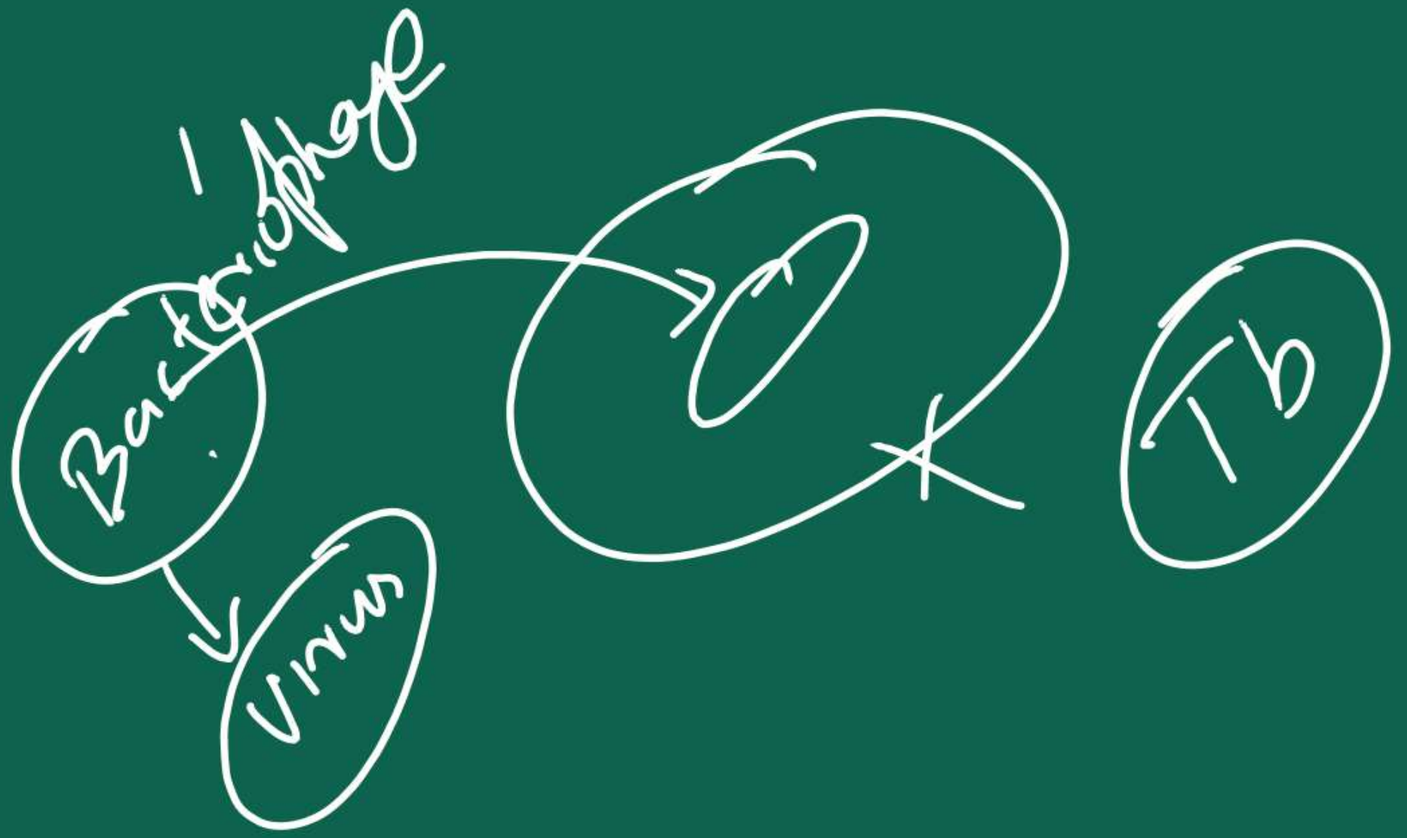
Bacteriophage
Virus
Tb

❑ What about the remaining Phages?

- Bacteriophages can only multiply and grow inside a bacterium. Once all the bacteria are lysed (dead), they'll stop multiplying. Like other viruses, phages can lay dormant (in hibernation) until more bacteria show up.
  - फ़ेज़ वायरस बैक्टीरिया के अंदर अपनी प्रतिलिपि बनाता है (प्रजनन करता है)। यह प्रत्येक जीवाणु में 1000 तक नए वायरस बना सकता है।
  - अंत में, वायरस बैक्टीरिया को तोड़ता है, नए बैक्टीरियोफेज जारी करता है।

❑ शेष फ़ेज़ के बारे में क्या?

- बैक्टीरियोफेज केवल जीवाणु के अंदर ही गुणा और वृद्धि कर सकते हैं। एक बार जब सभी बैक्टीरिया नष्ट हो जाएंगे, तो वे बढ़ना बंद कर देंगे। अन्य वायरस की तरह, फ़ेज अधिक बैक्टीरिया दिखाई देने तक निष्क्रिय (हाइबरनेशन में) रह सकते हैं।

❖ CELL-CULTIVATED MEAT

❑ What is this?

- It's meat grown from the cells of animals in steel tanks. Though it's known in the industry as cultivated meat, it's sometimes called cultured meat, lab-grown meat or cell-based meat.
- It starts with cells, which can come from a fertilized egg, a special bank of stored cells or tissue initially taken from a living animal.
- To make cell-cultivated meat, these two companies isolate the cells that make up this meat (the meat that we consume), and put them in a setting where they have all the resources they need to grow and make more copies of themselves.
- These resources are typically nutrients, fats, carbohydrates, amino acids, the right temperature, etc.

❖ कोशिका संवर्धित मांस

❑ यह क्या है?

- यह स्टील टैंकों में जानवरों की कोशिकाओं से उगाया गया मांस है। हालाँकि उद्योग में इसे लैब-ग्रोन मीट, के रूप में जाना जाता है, कभी-कभी इसे लैब-ग्रोन मीट,, प्रयोगशाला में विकसित मांस या कोशिका-आधारित मांस भी कहा जाता है।
- इसकी शुरुआत कोशिकाओं से होती है, जो एक निषेचित अंडे से आ सकती है, संग्रहीत कोशिकाओं या ऊतक का एक विशेष बैंक जो शुरू में एक जीवित जानवर से लिया गया था।

- The ‘setting’ in which this process transpires is often a bioreactor (also known as a ‘cultivator’), a sensor-fit device – like a container – that has been designed to support a particular biological environment.
- Because of the techniques involved, producing meat in this way is also called cellular agriculture.
- Once these cells have become sufficiently large in number, which takes around two to three weeks in Upside’s process, they resemble a mass of minced meat.
- They are collected and then processed, with additives to improve their texture and/or appearance, and are destined for various recipes.

- सेल-संवर्धित मांस बनाने के लिए, ये दोनों कंपनियां उन कोशिकाओं को अलग करती हैं जो इस मांस (वह मांस जो हम उपभोग करते हैं) को बनाते हैं, और उन्हें एक ऐसी सेटिंग में डालते हैं जहां उनके पास बढ़ने और खुद की अधिक प्रतियां बनाने के लिए आवश्यक सभी संसाधन होते हैं।
- ये संसाधन आम तौर पर पोषक तत्व, वसा, कार्बोहाइड्रेट, अमीनो एसिड, सही तापमान आदि हैं।
- 'सेटिंग' जिसमें यह प्रक्रिया संपन्न होती है, अक्सर एक बायोरिएक्टर (जिसे 'कल्टीवेटर' भी कहा जाता है), एक सेंसर-फिट डिवाइस - एक कंटेनर की तरह - जिसे एक विशेष जैविक वातावरण का समर्थन करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- इसमें शामिल तकनीकों के कारण, इस तरह से मांस का उत्पादन सेलुलर कृषि भी कहा जाता है।
- एक बार जब ये कोशिकाएँ संख्या में पर्याप्त रूप से बड़ी हो जाती हैं, जिसमें अपसाइड की प्रक्रिया में लगभग दो से तीन सप्ताह लगते हैं, तो वे कीमा के एक द्रव्यमान के समान हो जाती हैं।
- उन्हें एकत्र किया जाता है और फिर उनकी बनावट और/या उपस्थिति में सुधार करने के लिए एडिटिव्स के साथ संसाधित किया जाता है, और विभिन्न व्यंजनों के लिए नियत किया जाता है।

❖ LAB GROWN DIAMONDS

- **Context:** The 2023 Union Budget promises to reduce the basic customs duty on seeds used in the manufacture of lab-grown diamonds in a bid to popularise their production in India— the duty on seeds for rough LGDs will be reduced from 5% to nil
- LGD are manufactured in laboratories, as opposed to naturally-occurring diamonds.
- However, the chemical composition and other physical and optical properties of the two are the same
- Naturally-occurring diamonds take millions of years to form; they are created when carbon deposits buried within the earth are exposed to extreme heat and pressure.
- On the other hand, LGDs are mostly manufactured through two processes – high pressure, high temperature (HPHT) method or Chemical Vapour Deposition (CVD) method.

❖ प्रयोगशाला में विकसित हीरे

- **संदर्भ:** 2023 के केंद्रीय बजट में भारत में अपने उत्पादन को लोकप्रिय बनाने के लिए प्रयोगशाला में विकसित हीरों के निर्माण में उपयोग किए जाने वाले बीजों पर मूल सीमा शुल्क को कम करने का वादा किया गया है - रफ एलजीडी के लिए बीजों पर शुल्क 5% से घटाकर शून्य कर दिया जाएगा।
- प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले हीरों के विपरीत, एलजीडी का निर्माण प्रयोगशालाओं में किया जाता है।
- हालाँकि, दोनों की रासायनिक संरचना और अन्य भौतिक और ऑप्टिकल गुण समान हैं

- Both HPHT and CVD methods of growing diamonds artificially begin with a seed — a slice of another diamond. In the HPHT method, the seed, along with pure graphite carbon, is exposed to temperatures around 1,500 degrees Celsius and extremely high pressure.
- In the CVD method, the seed is heated to around 800 degrees Celsius inside a sealed chamber filled with a carbon-rich gas. The gas sticks to the seed, gradually building the diamond.
- Visually and chemically, the two are the same. However, the environmental footprint of a diamond grown in a laboratory is much lesser than that of a naturally-occurring diamond.

- प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले हीरे को बनने में लाखों वर्ष लगते हैं; इनका निर्माण तब होता है जब पृथ्वी के भीतर दबे कार्बन भंडार अत्यधिक गर्मी और दबाव के संपर्क में आते हैं।
- दूसरी ओर, एलजीडी ज्यादातर दो प्रक्रियाओं के माध्यम से निर्मित होते हैं - उच्च दबाव, उच्च तापमान (एचपीएचटी) विधि या रासायनिक वाष्प जमाव (सीवीडी) विधि।
- हीरे को कृत्रिम रूप से उगाने की एचपीएचटी और सीवीडी दोनों विधियां एक बीज से शुरू होती हैं - दूसरे हीरे का एक टुकड़ा। एचपीएचटी विधि में, बीज, शुद्ध ग्रेफाइट कार्बन के साथ, लगभग 1,500 डिग्री सेल्सियस तापमान और अत्यधिक उच्च दबाव के संपर्क में आता है।
- सीवीडी विधि में, बीज को कार्बन युक्त गैस से भरे एक सीलबंद कक्ष के अंदर लगभग 800 डिग्री सेल्सियस तक गर्म किया जाता है। गैस बीज से चिपक जाती है, जिससे धीरे-धीरे हीरा बनता है।
- देखने में और रासायनिक रूप से, दोनों एक ही हैं। हालाँकि, प्रयोगशाला में उगाए गए हीरे का पर्यावरणीय पदचिह्न प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले हीरे की तुलना में बहुत कम है।

❖ United Nations Office for Outer Space Affairs (UNOOSA)

- It works to promote international cooperation in the peaceful use and exploration of space,
- It works for utilisation of space science and technology for sustainable economic and social development.
- The Office assists any United Nations Member States to establish legal and regulatory frameworks to govern space activities
- It strengthens the capacity of developing countries to use space science technology and applications for development by helping to integrate space capabilities into national development programmes.

❖ बाह्य अंतरिक्ष मामलों के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (यूएनओओएसए)

- यह अंतरिक्ष के शांतिपूर्ण उपयोग और अन्वेषण में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के लिए काम करता है।
- यह सतत आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी के उपयोग के लिए काम करता है।
- कार्यालय किसी भी संयुक्त राष्ट्र सदस्य राज्यों को अंतरिक्ष गतिविधियों को नियंत्रित करने के लिए कानूनी और नियामक ढांचे स्थापित करने में सहायता करता है
- यह राष्ट्रीय विकास कार्यक्रमों में अंतरिक्ष क्षमताओं को एकीकृत करने में मदद करके विकास के लिए अंतरिक्ष विज्ञान प्रौद्योगिकी और अनुप्रयोगों का उपयोग करने के लिए विकासशील देशों की क्षमता को मजबूत करता है।

The Outer Space Treaty

- The Treaty on Principles Governing the Activities of States in the Exploration and Use of Outer Space, including the Moon and Other Celestial Bodies
- With effect from: October 10, 1967

The Outer Space Treaty: Salient features

- It is often hailed as the magna carta of space law
- It binds its signatories to use outer space only for peaceful purposes— in accordance with international law
- It prohibits the weaponisation of space; parties are debarred from placing nuclear or other weapons in orbit or on the moon or other celestial bodies
- No country can claim sovereignty over the moon or any other bodies in space and must carry out space ventures openly

❑ बाह्य अंतरिक्ष संधि

- चंद्रमा और अन्य खगोलीय पिंडों सहित बाहरी अंतरिक्ष की खोज और उपयोग में राज्यों की गतिविधियों को नियंत्रित करने वाले सिद्धांतों पर संधि
- **प्रभावी:** 10 अक्टूबर, 1967 से
- **बाह्य अंतरिक्ष संधि:** मुख्य विशेषताएं
- इसे अक्सर अंतरिक्ष कानून के मैग्ना कार्टा के रूप में प्रतिष्ठित किया जाता है
- यह अपने हस्ताक्षरकर्ताओं को अंतर्राष्ट्रीय कानून के अनुसार बाहरी स्थान का उपयोग केवल शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए करने के लिए बाध्य करता है
- यह अंतरिक्ष के शस्त्रीकरण पर रोक लगाता है; पार्टियों को कक्षा में या चंद्रमा या अन्य खगोलीय पिंडों पर परमाणु या अन्य हथियार रखने से रोक दिया जाता है

- Countries are to be responsible for their activities in space, being liable for damage caused by any objects launched into space from their territory
- Countries must help astronauts who are in distress, and space installations and vehicles of one nation are to be open to other nations on a reciprocal basis.

- कोई भी देश चंद्रमा या अंतरिक्ष में किसी अन्य पिंड पर संप्रभुता का दावा नहीं कर सकता है और उसे खुले तौर पर अंतरिक्ष उद्यम करना होगा
- देशों को अंतरिक्ष में अपनी गतिविधियों के लिए जिम्मेदार होना चाहिए, अपने क्षेत्र से अंतरिक्ष में प्रक्षेपित किसी भी वस्तु से होने वाली क्षति के लिए उत्तरदायी होना चाहिए
- देशों को संकट में फंसे अंतरिक्ष यात्रियों की मदद करनी चाहिए और एक देश की अंतरिक्ष सुविधाएं और वाहन पारस्परिक आधार पर दूसरे देशों के लिए खुले होने चाहिए।

❖ Report and Index: Global Slavery Index, Gender Social Norm Index, Global Liveability Index

❑ Global Slavery Index:

- **Released by: Walk Free Foundation**
- **It is an assessment of modern slavery conditions in 160 countries.**
- **The index uses data released by the International Labour Organisation (ILO), Walk Free, and the International Organisation for Migration (IOM)**

❖ रिपोर्ट और सूचकांक: वैश्विक दासता सूचकांक, लिंग सामाजिक मानदंड सूचकांक, वैश्विक जीवंतता सूचकांक

❑ वैश्विक गुलामी सूचकांक:

- **द्वारा जारी:** वॉक फ्री फाउंडेशन
- यह 160 देशों में आधुनिक गुलामी की स्थितियों का आकलन है।
- सूचकांक अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO), वॉक फ्री और अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन संगठन (IOM) द्वारा जारी डेटा का उपयोग करता है।
- G20 देशों में, भारत 11 मिलियन लोगों के साथ जबरन मजदूरों के रूप में काम करने के साथ सूची में शीर्ष पर है, इसके बाद चीन, रूस, इंडोनेशिया, तुर्की और अमेरिका हैं।

- Among the G20 nations, India tops the list with 11 million people working as forced labourers, followed by China, Russia, Indonesia, Turkey and the U.S.

Gender Social Norm Index: UNDP

- The Gender Social Norms Index (GSNI) quantifies biases against women, capturing people's attitudes on women's roles along four key dimensions: political, educational, economic and physical integrity.
- The index, covering 85 percent of the global population, reveals that close to 9 out of 10 men and women hold fundamental biases against women.
- Nearly half the world's people believe that men make better political leaders than women do, and two of five people believe that men make better business executives than women do.

- **जेंडर सोशल नॉर्म्स इंडेक्स : यूएनडीपी**
- जेंडर सोशल नॉर्म्स इंडेक्स (जीएसएनआई) महिलाओं के खिलाफ पूर्वाग्रहों को मापता है, चार प्रमुख आयामों के साथ महिलाओं की भूमिकाओं पर लोगों के दृष्टिकोण को दर्शाता है: राजनीतिक, शैक्षिक, आर्थिक और शारीरिक अखंडता।
- वैश्विक आबादी के 85 प्रतिशत को कवर करने वाले सूचकांक से पता चलता है कि 10 में से 9 पुरुष और महिलाएं महिलाओं के प्रति मौलिक पूर्वाग्रह रखते हैं।
- दुनिया के लगभग आधे लोगों का मानना है कि पुरुष महिलाओं की तुलना में बेहतर राजनीतिक नेता बनते हैं, और पांच में से दो लोगों का मानना है कि पुरुष महिलाओं की तुलना में बेहतर व्यावसायिक अधिकारी बनते हैं।
- लैंगिक पूर्वाग्रह निम्न और उच्च मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) दोनों देशों में स्पष्ट हैं।
- ये पूर्वाग्रह क्षेत्रों, आय, विकास के स्तर और संस्कृतियों पर आधारित हैं - जो उन्हें एक वैश्विक मुद्दा बनाते हैं

- Gender biases are pronounced in both low and high Human Development Index (HDI) countries.
- These biases hold across regions, income, level of development and cultures—making them a global issue

Global Liveability Index:

- The Global Liveability Index is a yearly report published by the Economist Intelligence Unit (EIU).
- The index ranks 173 cities based on their liveability factor, which is determined by assessing stability, healthcare, culture and environment, education, and infrastructure
- In 2023, the average liveability score reached a 15-year high, rising from 73.2 to 76.2 out of 100.

- This is attributed to a return to order after the COVID-19 pandemic and better healthcare and education in developing countries
- New Delhi and Mumbai are at 141st position and Chennai at 144th. Ahmedabad and Bengaluru are ranked 147 and 148, respectively.

❑ वैश्विक जीवंतता सूचकांक:

- ग्लोबल लिवेबिलिटी इंडेक्स इकोनॉमिस्ट इंटेलिजेंस यूनिट (ईआईयू) द्वारा प्रकाशित एक वार्षिक रिपोर्ट है।
- सूचकांक 173 शहरों को उनके रहने योग्य कारक के आधार पर रैंक करता है, जो स्थिरता, स्वास्थ्य देखभाल, संस्कृति और पर्यावरण, शिक्षा और बुनियादी ढांचे का आकलन करके निर्धारित किया जाता है।
- 2023 में, औसत जीवंतता स्कोर 15 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया, जो 100 में से 73.2 से बढ़कर 76.2 हो गया।
- इसका श्रेय विकासशील देशों में कोविड-19 महामारी के बाद व्यवस्था में वापसी और बेहतर स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा को दिया जाता है
- नई दिल्ली और मुंबई 141वें और चेन्नई 144वें स्थान पर हैं। अहमदाबाद और बेंगलुरु क्रमशः 147वें और 148वें स्थान पर हैं।

❖ World Health Assembly

- The World Health Assembly is the decision-making body of WHO.
- It is attended by delegations from all WHO Member States and focuses on a specific health agenda prepared by the Executive Board.
- The main functions of the World Health Assembly are to determine the policies of the Organization, appoint the Director-General, supervise financial policies, and review and approve the proposed programme budget.
- The World Health Assembly is the main decision-making body of WHO and is comprised of 194 Member States. Every year, generally in May, delegates from all Member States come together to agree on the Organization's priorities and policies

❖ विश्व स्वास्थ्य सभा

- विश्व स्वास्थ्य सभा WHO की निर्णय लेने वाली संस्था है।
- इसमें सभी WHO सदस्य देशों के प्रतिनिधिमंडल भाग लेते हैं और कार्यकारी बोर्ड द्वारा तैयार एक विशिष्ट स्वास्थ्य एजेंडे पर ध्यान केंद्रित करते हैं।
- विश्व स्वास्थ्य सभा का मुख्य कार्य संगठन की नीतियों का निर्धारण करना, महानिदेशक की नियुक्ति करना, वित्तीय नीतियों की निगरानी करना और प्रस्तावित कार्यक्रम बजट की समीक्षा करना और अनुमोदन करना है।
- विश्व स्वास्थ्य सभा WHO की मुख्य निर्णय लेने वाली संस्था है और इसमें 194 सदस्य देश शामिल हैं। हर साल, आम तौर पर मई में, सभी सदस्य देशों के प्रतिनिधि संगठन की प्राथमिकताओं और नीतियों पर सहमत होने के लिए एक साथ आते हैं

- At the Health Assembly, country delegates make decisions on health goals and strategies that will guide their own public health work and the work of the WHO Secretariat to move the world towards better health and well-being for all.
- The Health Assembly also serves as a forum for reporting back on the implementation of the areas of work set, in order to determine what has been achieved and decide on strategies for addressing the gaps.
- The Health Assembly is held annually in Geneva, Switzerland.

- स्वास्थ्य सभा में, देश के प्रतिनिधि स्वास्थ्य लक्ष्यों और रणनीतियों पर निर्णय लेते हैं जो उनके स्वयं के सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यों और दुनिया को सभी के लिए बेहतर स्वास्थ्य और कल्याण की ओर ले जाने के लिए डब्ल्यूएचओ सचिवालय के काम का मार्गदर्शन करेंगे।
- स्वास्थ्य सभा निर्धारित कार्य क्षेत्रों के कार्यान्वयन पर रिपोर्ट करने के लिए एक मंच के रूप में भी कार्य करती है, ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि क्या हासिल किया गया है और कमियों को दूर करने के लिए रणनीतियों पर निर्णय लिया जा सके।
- स्वास्थ्य सभा प्रतिवर्ष जिनेवा, स्विट्जरलैंड में आयोजित की जाती है।

KHAN GLOBAL STUDIES

Most Trusted Learning Platform

THANKS FOR WATCHING